नईदुनिया

नौ दिनों में 116 जहाजों को निशाना बनाने का दावा, प्रमुख जलमार्गों पर आवाजाही रुकी

यूक्रेन के हमलों से एजोव सागर में रूस की समुद्री आपूर्ति प्रभावित

मॉस्को, एजेंसीः यूक्रेन के लगातार मानव रहित विमान हमलों के बाद रूस को एजोव सागर के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर जहाजों की आवाजाही रोकनी पड़ी है। इससे रूस के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर असर पड़ने लगा है।

यूक्रेन की मानव रहित विमान इकाई के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवदी ने दावा किया है कि पिछले नौ दिनों में एजोव सागर में रूस के 116 जहाजों को निशाना बनाया गया है।

एजोव सागर लंबे समय तक यूक्रेन की पहुंच से बाहर रहा था और रूस इसी समुद्री मार्ग का उपयोग यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई तथा दक्षिणी रूस से तेल, गेहूं, इस्पात, सूरजमुखी का तेल और अन्य वस्तुओं के निर्यात के लिए करता रहा है। हाल के महीनों में यूक्रेन के मानव रहित विमान हमलों की तीव्रता बढ़ने के बाद इस क्षेत्र में रूस की पकड़ कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है।

लगातार हमलों के बाद रूस ने डॉन-एजोव जलमार्ग और केर्च जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी है। डॉन-एजोव जलमार्ग एजोव सागर को रूस की आंतरिक नदियों और जलमार्गों से जोड़ता है, जबकि केर्च जलडमरूमध्य एजोव सागर को काला सागर से जोड़ने वाला प्रमुख समुद्री मार्ग है। उपग्रह चित्रों और जहाजों की निगरानी से संबंधित सूचनाओं के अनुसार दोनों मार्गों के दोनों ओर बड़ी संख्या में जहाज आगे बढ़ने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इसका प्रभाव केवल रूस के तेल निर्यात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गेहूं, सूरजमुखी के तेल और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी पड़ेगा। इन उत्पादों पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंध लागू नहीं हैं, फिर भी समुद्री मार्ग बाधित होने से आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

युद्ध अध्ययन संस्थान के अनुसार यूक्रेन का उद्देश्य क्रीमिया को रूस की आपूर्ति श्रृंखला से अलग करना तथा समुद्री मार्गों से होने वाले तेल और अनाज के निर्यात को बाधित करना है।

रिपोर्टों के अनुसार रूस के लगभग 25 प्रतिशत गेहूं का निर्यात एजोव सागर के मार्ग से होता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो रूस को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

रूस विश्व का सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक है और वैश्विक गेहूं निर्यात में उसकी हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत है। संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं के वायदा भाव भी बढ़ने लगे हैं।

रूस का कहना है कि वह काला सागर के अन्य बंदरगाहों से निर्यात जारी रख सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि निर्यात के व्यस्त मौसम में अन्य बंदरगाहों की क्षमता पूरे दबाव को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं है। एजोव सागर रूस की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है और इसके बाधित होने से व्यापारिक गतिविधियों पर व्यापक प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

संसद में मेलोनी सरकार को लगा बड़ा झटका

चुनाव सुधार संशोधन एक मत से खारिज, सत्तारूढ़ गठबंधन में मतभेद के संकेत

रोम, एजेंसीः इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को चुनाव सुधार से जुड़े एक महत्वपूर्ण संशोधन प्रस्ताव पर संसद में बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। निचले सदन में हुए गुप्त मतदान के दौरान यह संशोधन महज एक मत से खारिज हो गया।

इस परिणाम के बाद सरकार की संसदीय स्थिति और सत्तारूढ़ गठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठने लगे हैं।

बुधवार को हुए मतदान में मेलोनी की पार्टी 'ब्रदर्स ऑफ इटली' के प्रस्तावित संशोधन के पक्ष में 187 मत पड़े, जबकि 188 सदस्यों ने इसके विरोध में मतदान किया। गुप्त मतदान होने के कारण माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ गठबंधन के कुछ सांसदों ने भी प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया।

यह संशोधन मतदाताओं को पार्टी सूची में अपने पसंदीदा उम्मीदवार का चयन करने का अधिकार देने से संबंधित था। हालांकि इस संशोधन के खारिज होने के बावजूद सरकार पूरे चुनाव सुधार विधेयक को आगे बढ़ा सकती है। वर्ष 2022 से सत्ता में मौजूद मेलोनी सरकार को इससे पहले भी संवैधानिक सुधार से जुड़े जनमत संग्रह में हार का सामना करना पड़ा था। चुनाव सुधार प्रस्ताव पर मिली यह पराजय आगामी आम चुनाव से पहले सरकार के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत मानी जा रही है।

न्यायाधीश की कुर्सी पर टोना-टोटका करने के आरोप में महिला गिरफ्तार

लंबित पारिवारिक वाद में निर्णय अपने पक्ष में कराने की आशंका, 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा

नईदुनिया ब्यूरो, चिक्कबल्लापुरः कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में न्यायालय कक्ष में कथित तौर पर टोना-टोटका करने के आरोप में 65 वर्षीय महिला मंजुला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि महिला लंबित पारिवारिक दीवानी वाद का निर्णय अपने पक्ष में कराने के उद्देश्य से न्यायाधीश की कुर्सी और मंच पर पूजा किए हुए सफेद सरसों के दाने बिखेरकर चली गई। पुलिस के अनुसार घटना नौ जुलाई की सुबह प्रथम अतिरिक्त वरिष्ठ दीवानी न्यायाधीश एवं प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में हुई। बाद में न्यायालय कर्मचारियों की नजर न्यायाधीश की मेज और मंच पर बिखरे सरसों के दानों पर पड़ी। इसके बाद न्यायालय परिसर में लगे निगरानी चित्रों की जांच की गई, जिसमें महिला को यह कृत्य करते हुए देखा गया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी की शिकायत के आधार पर चिक्कबल्लापुर नगर थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर अदालत में प्रस्तुत किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस घटना में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं। इस बीच, पिछले वर्ष दिल्ली की तीस हजारी अदालत में भी इसी प्रकार का मामला सामने आया था। हत्या के एक प्रकरण में आरोपी चिकित्सक चंदर विभास पर सुनवाई से पहले न्यायालय कक्ष में चावल के दाने बिखेरने का आरोप लगा था। उस घटना के कारण कुछ समय के लिए न्यायालय की कार्यवाही बाधित हुई थी। बाद में अदालत ने चिकित्सक पर दो हजार रुपये का अर्थदंड लगाया था।

मप्र-राजस्थान में थमा मानसून, पूर्वी राज्यों में तेज वर्षा

बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं का असर, ओडिशा में रेड अलर्ट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः देश में मानसून की गतिविधियां अलग-अलग क्षेत्रों में अलग स्वरूप दिखा रही हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में वर्षा की गतिविधियां थम गई हैं, जबकि बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार भारी वर्षा हो रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून द्रोणी, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं पूर्वी भारत तक सीमित हो गई हैं। इसके कारण पश्चिम और उत्तर-पश्चिम भारत तक पर्याप्त नमी नहीं पहुंच रही है, जिससे इन क्षेत्रों में वर्षा कम हो रही है। विभाग का कहना है कि नया कम दबाव का क्षेत्र बनने अथवा मानसून द्रोणी के पश्चिम की ओर बढ़ने पर इन राज्यों में भी अच्छी वर्षा शुरू हो सकती है।

उधर, ओडिशा के कई क्षेत्रों में भारी से अति भारी वर्षा की आशंका के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़, भूस्खलन और भारी वर्षा से चार जिले प्रभावित हुए हैं। राज्य में एक लाख दो हजार से अधिक लोग प्रभावित हैं तथा सात लोगों की मौत और 29 लोगों के घायल होने की सूचना है। असम के छह जिलों के 99 गांव भी बाढ़ से प्रभावित हैं, जहां 37 हजार 32 लोग प्रभावित बताए गए हैं।

उमर खालिद को सप्ताह में दो बार वीडियो मुलाकात की अनुमति

दिल्ली की अदालत ने परिवार से संवाद की सुविधा बहाल की

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम से जुड़े मामले में जेल में बंद उमर खालिद को राहत देते हुए उनके परिवार से सप्ताह में दो बार वीडियो माध्यम से मुलाकात की अनुमति बहाल कर दी है। अदालत ने उमर खालिद की ओर से दायर उस याचिका को स्वीकार किया, जिसमें परिवार के साथ सप्ताह में दो बार वीडियो मुलाकात की सुविधा दोबारा शुरू करने का अनुरोध किया गया था। आवेदन पर सुनवाई के बाद अदालत ने यह सुविधा बहाल करने का आदेश जारी किया। अदालत के आदेश के बाद उमर खालिद अब जेल से अपने परिवार के सदस्यों से सप्ताह में दो बार वीडियो माध्यम से बातचीत कर सकेंगे। न्यायालय ने अपने आदेश में केवल वीडियो मुलाकात की सुविधा बहाल करने की अनुमति दी है।

पेरिस के निकट जंगल में भीषण आग, राहत अभियान जारी

पेरिस, एजेंसीः फ्रांस की राजधानी पेरिस के दक्षिण स्थित फॉन्टेनब्लो जंगल में लगी भीषण आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग लगातार राहत एवं बचाव अभियान चला रहा है। आग बुझाने वाले विमान सीन नदी से पानी भरकर प्रभावित क्षेत्र में छिड़काव कर रहे हैं। अब तक लगभग 18 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र आग की चपेट में आ चुका है। फॉन्टेनब्लो अभियोजन कार्यालय के अनुसार, आग लगने की घटना की जांच के सिलसिले में छह लोगों को पुलिस हिरासत में लिया गया है। इनमें 19 वर्षीय एक स्वयंसेवी दमकलकर्मी भी शामिल है। पुलिस घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। फ्रांस में जंगल में जानबूझकर आग लगाने पर कड़े दंड का प्रावधान है। ऐसे मामलों में डेढ़ लाख यूरो तक का अर्थदंड और 10 वर्ष तक के कारावास की सजा दी जा सकती है। यदि आग से लोगों के जीवन को खतरा उत्पन्न हो अथवा पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुंचने की आशंका हो, तो कारावास की अवधि 15 वर्ष तक हो सकती है। हाल के दिनों में यूरोप के अनेक देशों में भीषण गर्मी का प्रभाव देखा जा रहा है। जून के अंत में पश्चिमी यूरोप में अत्यधिक तापमान के दौरान 10 हजार से अधिक अतिरिक्त मौतें दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश बुजुर्ग थे। वहीं स्पेन में हाल में लगी जंगल की आग में 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इंग्लैंड और वेल्स में भी मई और जून के दौरान पड़ी भीषण गर्मी के कारण 2,700 से अधिक लोगों की मौत होने का अनुमान व्यक्त किया गया है।

भाजपा पर ममता बनर्जी ने किया तीखा हमला

बोलीं- मुझे डराया नहीं जा सकता, पार्टी छोड़ने वालों पर भी दी प्रतिक्रिया

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाताः पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा चाहती थी कि उन्हें हृदयाघात हो जाए, लेकिन वह तब तक जीवित रहेंगी, जब तक उनका अंत नहीं हो जाता। बुधवार को जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने पार्टी में चल रही टूट और हालिया राजनीतिक घटनाक्रम पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006 में उन्होंने तृणमूल को फिर से खड़ा किया था और आवश्यकता पड़ने पर वर्ष 2026 में भी ऐसा कर सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई लोगों को धमकाया जा रहा है। उनके अनुसार, एक नेता ने पार्टी छोड़ने से पहले उन्हें बताया था कि उसके परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है। ममता ने कहा कि यदि उन्होंने समझौता किया होता तो उन्हें इन परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता, लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्होंने अभिषेक बनर्जी का समर्थन करते हुए कहा कि वह कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना कर रहे हैं। ममता ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियों का उपयोग राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह पुलिस का सम्मान करती हैं, लेकिन कुछ मामलों में उसकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। यह बयान ऐसे समय आया है, जब तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मदन मित्रा पार्टी छोड़कर ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट में शामिल हो गए हैं।

अमेरिका में भारतीय नागरिक पर चाकू से हमला

धर्म पूछने के बाद वार करने का आरोप, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

वाशिंगटन, एजेंसीः अमेरिका के यूटा राज्य के वेस्ट वैली सिटी स्थित वैली फेयर मॉल में कार्यरत भारतीय नागरिक सोहेल पर धर्म पूछने के बाद चाकू से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में 48 वर्षीय पीटर माइकल लार्सन को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास तथा खतरनाक हथियार रखने और उसका उपयोग करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी फिलहाल सॉल्ट लेक काउंटी जेल में बंद है।

पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने सोहेल को मुस्लिम होने के कारण निशाना बनाया और उसका उद्देश्य मुसलमानों की हत्या करना था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय आरोपी सोहेल के पास पहुंचा और बातचीत शुरू की। उसने पहले उनका परिचय पूछा, जिस पर सोहेल ने बताया कि वह भारत से हैं। इसके बाद आरोपी ने उनका धर्म पूछा। सोहेल द्वारा स्वयं को मुस्लिम बताए जाने के तुरंत बाद आरोपी ने चाकू निकालकर उन पर लगातार कई वार कर दिए। मॉल में स्थित आभूषण की दुकान में कार्यरत लूना नुनेज ने बताया कि पूरी घटना अचानक हुई और आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही हमला हो चुका था।

यूटा इस्लामिक सेंटर के इमाम शुएब दीन ने बताया कि आरोपी ने पहले सोहेल से पानी की बोतल मांगी थी। जब सोहेल पानी देने के लिए मुड़े, तभी उसने पीछे से चाकू से हमला कर दिया।

सोनम वांगचुक के अनशन पर त्वरित सुनवाई

18 दिन से अनशन पर बैठे वांगचुक के उपचार की मांग

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिल्ली उच्च न्यायालय ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल से जुड़े मामले में बुधवार को त्वरित सुनवाई करते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार से गुरुवार सुबह तक जवाब मांगा है। जनहित याचिका में वांगचुक को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा और उपचार उपलब्ध कराने की मांग की गई है। वांगचुक राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में 28 जून से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। पिछले 18 दिनों के दौरान उनकी सेहत लगातार बिगड़ी है और उनका वजन 8.50 किलोग्राम तक कम हो गया है।

आह्वान *अखाड़ा परिषद ने संतों से मथुरा पहुंचने का आह्वान किया, तिथि बाद में होगी घोषित...*

कांवड़ यात्रा के बाद श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कारसेवा का ऐलान

नईदुनिया ब्यूरो, हरिद्वारः अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि, मथुरा को लेकर संत समाज ने कारसेवा की तैयारी शुरू कर दी है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा है कि कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद कारसेवा की तिथि की घोषणा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर के साधु-संत, महात्मा और श्रद्धालु भाग लेंगे।

निरंजनी अखाड़े में आयोजित बैठक के बाद श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि सभी संतों ने 'चलो मथुरा चलें' का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अयोध्या में बड़ी संख्या में साधु-संत और श्रद्धालु पहुंचे थे, उसी प्रकार मथुरा में भी व्यापक सहभागिता होगी। उनका कहना था कि जिन लोगों की श्रीकृष्ण जन्मभूमि में आस्था है, वे सभी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि उद्देश्य मंदिर निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराना है।

श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने बताया कि कारसेवा कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल कुछ संतों का आह्वान नहीं, बल्कि पूरे सनातन समाज की भावना है।

श्री चित्रगुप्त पीठ, वृंदावन-मथुरा के पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी सच्चिदानंद ने कहा कि कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष के साथ विचार-विमर्श कर कारसेवा की तिथि घोषित की जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा उसी बैठक में तय होगी।

वहीं, काली सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि उनकी संस्था भी कारसेवा में शामिल होगी। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश सरकार नौ अगस्त से पहले श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण की तिथि घोषित कर देती है तो कारसेवा की आवश्यकता नहीं होगी। अन्यथा संत समाज प्रतीकात्मक कारसेवा कर अपना संदेश देगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके अनुसार मुस्लिम समाज का एक वर्ग भी चाहता है कि श्रीकृष्ण मंदिर का निर्माण हो, जिससे लंबे समय से चला आ रहा विवाद समाप्त हो सके और देश में हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूती मिले।